22 वाक्य तथा वाक्य के भेद-प्रभेद

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- वाक्य व वाक्य के अंगों को जानना।
- वाक्य के भेदों को विभिन्न आधारों पर जानना।
- वाक्य संरचना को समझाना।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- क्या हिंदी में एक शब्द का वाक्य हो सकता है?
- वाक्य शुद्ध है या अशुद्ध किस शास्त्र में इसके नियम वर्णित हैं?
- वाक्य शुद्धता का आधार एक है या अनेक?
- क्या हिंदी वाक्यों की संरचना अन्य भाषाओं के समान है या परिवर्तित है?

प्रमुख बिंदु

- प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा तैयार करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - भाषा की वह इकाई, जो किसी भाषा को, बात को, विचार को पूरी तरह से व्यक्त कर सकती है, वाक्य कहलाती है।
  - हिंदी में वाक्य के दो अंग हैं– (क) उद्देश्य (ख) विधेय।
  - वाक्य के भेद भिन्न आधारों पर किए जाते हैं।
  - हिंदी में वाक्य के भेद 'रचना' व 'अर्थ' के आधार पर किए जाते हैं।
  - रचना के आधार पर वाक्य के दो भेद हैं– (क) सरल वाक्य (ख) जटिल वाक्य।
  - जटिल वाक्य के दो उपभेद हैं– (क) संयुक्त वाक्य (ख) मिश्रित वाक्य।
  - अर्थ के आधार पर इस पाठ में पाँच भेद बताए जा रहे हैं– (क) विधानवाचक, (ख) निषेधात्मक, (ग) आज्ञार्थक, (घ) प्रश्नवाचक, (ङ) विस्मयादिबोधक।
- अर्थ के आधार पर इस पाठ में वाक्य के आठ भेद बताए जा रहे हैं– कथनात्मक, निषेधार्थक, आज्ञार्थक, प्रश्नवाचक, इच्छार्थक, संभावनार्थक, विस्मयादिबोधक तथा संकेतार्थक।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।